धोनी ने इशारा करते हुए पूछा- फिट लग रहा हूं ना

Page-04

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'राजा शिवाजी' के लिए बिना फीस काम करने की खबरों पर बोले

Page-05

दिल्ली हाई कोर्ट से रेसलर विनेश फोगाट को फिलहाल राहत नहीं

एशियन गेम्स चयन ट्रायल में शामिल होने की मांग को लेकर पहलवान विनेश फोगाट को फिलहाल दिल्ली हाई कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। विनेश फोगाट ने अदालत में याचिका दाखिल कर 30 और 31 मई को आयोजित होने वाले चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति मांगी थी। याचिका में उन्होंने कहा कि उन्हें ट्रायल में हिस्सा लेने से रोका गया है, जबकि रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया है। विनेश की ओर से अदालत से अनुरोध किया गया था कि अंतिम निर्णय तक उन्हें ट्रायल में शामिल होने की इजाजत दी जाए। हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बिना दूसरे पक्ष यानी रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया का पक्ष सुने किसी प्रकार की अंतरिम राहत देना उचित नहीं होगा। अदालत ने कहा कि मामले में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद ही आगे का फैसला लिया जाएगा।

हरिद्वार में मचा हड़कंप!
'हर की पौड़ी' को बम से उड़ाने की धमकी

उत्तराखंड के पवित्र तीर्थ स्थल हरिद्वार में सोमवार को उस समय भारी सनसनी और दहशत फैल गई, जब एक अज्ञात कॉलर ने प्रसिद्ध 'हर की पौड़ी घाट को बम से उड़ाने की खौफनाक धमकी दी। पुलिस के आपातकालीन नंबर पर सीधे आए इस कॉल के बाद पूरे महकमे में हड़कंप मच गया। सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील इस धार्मिक स्थल की सुरक्षा तुरंत बढ़ा दी गई और पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर आ गया। अधिकारियों के अनुसार, नशे में धुत एक व्यक्ति ने आपातकालीन नंबर 112 पर कॉल किया और दावा किया कि चार दिनों के भीतर हर की पौड़ी और कई अन्य जगहों पर बम धमाके किए जाएँगे। इस कॉल के बाद पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रखा गया और तत्काल कई टीमों को सक्रिय कर दिया गया। कॉलर का फोन नंबर और लोकेशन तुरंत ट्रेस कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया; उसकी पहचान पौड़ी जिले के यमकेश्वर निवासी 30 वर्षीय सोहन सिंह रावत के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान, उस व्यक्ति ने स्वीकार किया कि उसने नशे की हालत में यह धमकी दी थी। हरिद्वार नगर कोतवाली में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को अब जेल भेज दिया गया है। हरिद्वार के SSP नवनीत सिंह भुल्लर ने भी इस घटना के संबंध में एक बयान जारी किया है।

सांसद राशिद इंजीनियर को जमानत

दिल्ली हाईकोर्ट ने जेल में बंद बारामूला के सांसद और अवामी इतिहाद पार्टी (AIP) के चीफ शेख अब्दुल राशिद इंजीनियर को अपने पिता के अंतिम संस्कार मे शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत दीहाईकोर्ट ने राशिद इंजीनियर को आज से 2 जून तक की अंतरिम जमानत दी हैराशिद इंजीनियर के पिता हाजी खज़ीर मोहम्मद शेख की उम्र 85 साल थी उनका रविवार रात नई दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज में निधन हो गया।
राशिद इंजीनियर के पिता पिछले महीने से दिल्ली के एम्स मे भर्ती थे। टेरर फंडिंग के आरोप मे राशिद इंजीनियर को NIA ने 2019 में गिरफ्तार किया था फिलहाल वह तिहाड़ जेल में बंद है। पिछले दिनो दिल्ली हाईकोर्ट ने राशिद इंजीनियर को अपने पिता से एम्स मे मिलने के लिए 5 मई से 10 मई तक सुबह 8 बे से रात 8 बजेतक की कस्टडी जमानत दी थी।

दाऊद के करीबी इकबाल मिर्ची पर ED का बड़ा शिकंजा

ED ने दावूद के करीबी इकबाल मिर्ची और उसके परिवार के सदस्यों से संबंधित मामले के संबंध में भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओए), 2018 के प्रावधानों के तहत 700.27 करोड़ रुपये (लगभग) की अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया। कुर्क की गई संपत्तियों में तीन प्रमुख संपत्तियां शामिल हैं - राबिया मेंशन, मरियम लॉज और सी व्यू - जो वर्ली, मुंबई में स्थित हैं, जिनकी कीमत लगभग 497 करोड़ रुपये है, साथ ही दुबई में विदेशी संपत्तियां हैं जिनकी कीमत लगभग 203.27 करोड़ रुपये है। ईडी ने मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज कई FIR के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन सीआर नंबर 83/1994, येलोगेट पुलिस स्टेशन सीआर शामिल हैं। नंबर 188/1994, और बायकुला पुलिस स्टेशन, एंटी-नारकोटिक्स सेल और डीसीबी, सीआईडी, मुंबई पुलिस द्वारा मृत इकबाल मोहम्मद मेमन उर्फ इकबाल मिर्ची के खिलाफ आईपीसी, आर्म्स एक्ट, टाडा और एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज है

केरल सरकार की सौगात
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और प्राइमरी टीचर्स को होनोरेरियम हाइक

18 मई को केरल में भी वीडी सतीशन की नवगठित सरकार ने राज्य की आशा कार्यकर्ताओं को होनोरेरियम हाइक दी है. जिससे इन कार्यकर्ताओं के बीच खासी खुशी का माहौल है. दरअसल आज ही वीडी सतीशन में केरल में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जिसके बाद तुरंत ही कैबिनेट की पहली बैठक हुई. इस बैठक में आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और प्राइमरी टीचर्स को होनोरेरियम हाइक देने का फैसला किया गया है. इस बारे में कांग्रेस के X (ट्विटर) हैंडल के जरिए सरकार ने ट्वीट कर जानकारी दी है. इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'केरलम की जनता के लिए सौगात'. इसके बाद सरकार ने दो वादे किए उनकी लिस्ट के बारे में बताया. क्या मिला कर्मचारियों को?
इस पोस्ट के जरिए बताया गया है कि प्राइमरी टीचर्स, आशा कार्यकर्ताओं और महिलाओं के लिए सरकार ने कितना हाइक दिया और क्या सुविधाएं दी हैं.

KSRTC (कर्नाटक स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कोऑपरेशन) बसों में महिलाओं को फ्री में सफर करने दिया जाएगा.
आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय 3,000 रुपए बढ़ाने का फैसला किया गया है.
आंगनवाड़ी कार्यकर्चाओं, प्री-प्राइमरी टीचर, कुकिंग स्टाफ और हेल्पर के वेतन में 1,000 रुपए की बढ़ोतरी का फैसला किया गया है.

सीनियर सिटिजन के लिए एक खास मिनिस्ट्री बनाई जाएगी.
ये सभी फैसले सरकार ने कैबिनेट की बैठक में लिए हैं. इस पोस्ट के आखिर में लिखा गया है, 'हम जो कहते हैं, वो कर दिखाते हैं. हम है कांग्रेस'

महासमुंद में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में अवैध गतिविधियों और सीमावर्ती क्षेत्रों से होने वाले अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान सिंघोड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एनएच-353 स्थित रेहटीखोल नाका पर वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक वोक्सवैगन वर्टस कार से भारी मात्रा में सोने के आभूषण बरामद किए, जिनका वजन 7 किलो 512 ग्राम से अधिक बताया गया है। जब्त सोने की अनुमानित कीमत लगभग 9 करोड़ 17 लाख 84 हजार 220 रुपये आंकी गई है, जबकि कार समेत कुल बरामदगी की कीमत करीब 9 करोड़ 27 लाख 84 हजार 220 रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, गुजरात नंबर की एक कार को जांच के लिए रोका गया था, जिसमें तीन लोग सवार थे। उनकी पहचान चालक जयेश अकबरी, सुनीत कारेना और रुशी अग्रावत के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि सोने के आभूषण कार की पिछली सीट में बनाए गए विशेष चेंबर और दो बैगों में छिपाकर ले जाए जा रहे थे। तलाशी के दौरान पुलिस को छह प्लास्टिक बॉक्स में विभिन्न प्रकार के सोने के आभूषण मिले, जिनका कुल वजन 7 किलो 512.488 ग्राम पाया गया। दस्तावेज मांगे जाने पर आरोपियों द्वारा कोई वैध प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसके बाद पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 94 के तहत नोटिस जारी किया और धारा 106 के अंतर्गत सोना व वाहन दोनों को जब्त कर लिया।

ऑयल पर लगी रोक हटाने को ट्रंप हुए तैयार

मेरिका और ईरान में बात बनती हुई नजर आ रही है, जो दुनिया के लिए एक बड़ी खबर है. ईरान ने अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर जवाब दिया है. वॉशिंगटन तेल पर लगी रोक हटाने पर सहमत हो गया है. ट्रंप इस रोक को अस्थायी रूप से हटाने को लेकर सहमत हो गए हैं. इससे पहले ईरान ने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान को अपना 14 सूत्रीय प्रस्ताव सौंपा था. इसके बाद कथित तौर पर तैयार नए बातचीत के ढांचे में ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने के लिए अमेरिका सहमत हो गया है. इस पूरे मामले की पुष्टी ईरान के सेमी गवर्नमेंट न्यूज एजेंसी तसनीम ने की है. यह न्यूज एजेंसी IRGC से जुड़ी हुई है. इस रिपोर्ट में एक राजनयिक करीबी सूत्र का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि यदि इस कदम की पुष्टी की जाती है, तो अमेरिका प्रतिनिधिमंडल द्वारा रखे प्रस्तावों से एक बदलाव का संकेत है. रॉयटर्स की मानें तो ईरानी अधिकारियों ने इस बात पर फिलहाल किसी तरह का कमेंट नहीं किया है कि अमेरिका ईरानी तेल प्रतिबंधों को हटाने के लिए सहमत हुआ है या नहीं. इधर, एक सीनियर ईरानी सूत्र ने रॉयटर्स को जानकारी दी है कि अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और प्रतिबंधों को लेकर बातचीत में सीमित लचीलापन दिखाया है. अमेरिका

ने ईरानी फंड का सिर्फ 25 प्रतिशत हिस्सा अलग-अलग चरणों में जारी करने पर सहमति जताई है. तेहरान अपनी पूरी संपत्ति और प्रतिबंधों को हटाने की मांग कर रहा है.

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2- 3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

हिंद-प्रशांत रणनीति को धार देने निकले राजनाथ सिंह
वियतनाम और दक्षिण कोरिया दौरे पर फोकस रक्षा सहयोग पर

राजनाथ सिंह सोमवार को वियतनाम और दक्षिण कोरिया के आधिकारिक दौरे पर रवाना हुए।इस यात्रा का उद्देश्य रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है।भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के तहत यह दौरा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका को और मजबूत माना जा रहा है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को वियतनाम और दक्षिण कोरिया के आधिकारिक दौरे पर रवाना हुए। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत की रक्षा साझेदारी को मजबूत करना, रणनीतिक सैन्य सहयोग बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और शांति को बढ़ावा देना है। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि वे हनोई पहुंचकर इस यात्रा की शुरुआत करेंगे और दोनों देशों के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्री ने बताया कि इस यात्रा के दौरान उनका ध्यान विशेष रूप से रक्षा सहयोग, सैन्य साझेदारी और समुद्री सुरक्षा पर रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत, वियतनाम और दक्षिण कोरिया के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को और विस्तार देना चाहता है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां बढ़ रही हैं और देशों के बीच सहयोग की आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। हाल ही में वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी का अहम स्तंभ माना था। दोनों देशों ने रक्षा नीति संवाद, संयुक्त सैन्य अभ्यास, तकनीकी सहयोग, नौसेना बंदरगाह दौरे, रक्षा उत्पादन और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी। इसके अलावा भारत द्वारा दिए गए रक्षा ऋण लाइनों के तहत वियतनाम की सैन्य क्षमता को मजबूत करने की दिशा में भी प्रगति हुई है। भारत और दक्षिण कोरिया ने हाल के वर्षों में अपने संबंधों को आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग और तकनीकी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ाया है। दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को स्वतंत्र और नियम आधारित बनाए रखने के लिए साझा दृष्टिकोण रखते हैं। इस साझेदारी के तहत रक्षा उद्योग, उभरती तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला और सुरक्षा चुनौतियों पर सहयोग बढ़ाने की योजना है। राजनाथ सिंह का यह दौरा भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और हिंद-प्रशांत रणनीति को और मजबूती देगा। इससे क्षेत्रीय देशों के साथ भारत की रक्षा साझेदारी और समुद्री सुरक्षा सहयोग को नई दिशा मिलेगी।

विदेश में खरीदारी अब भारतीयों के लिए पड़ रही महंगी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

विदेश में खरीदारी को लेकर भारतीय उपभोक्ताओं के बीच नई बहस शुरू हो गई है। डील्स धमाका मंच के संस्थापक विनीत के के हालिया बयान के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है। उनका कहना है कि अब अमेरिका में खरीदारी भारतीयों के लिए पहले जैसी सस्ती और फायदेमंद नहीं रह गई है। रुपये की कमजोरी और वैश्विक महंगाई ने विदेशी बाजारों में खरीदारी का गणित काफी बदल दिया है।विनीत के ने अपने हालिया अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस बार अमेरिका में उनका खरीदारी बिल सामान्य की तुलना में केवल लगभग 30 प्रतिशत ही रहा। उनके अनुसार यह साफ संकेत है कि भारतीय उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि इसकी सबसे बड़ी वजह डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना है। फिलहाल भारतीय मुद्रा लगभग 95 रुपये प्रति डॉलर के आसपास पहुंच गई है, जिससे विदेशी खरीदारी पहले की तुलना में काफी महंगी हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक महंगाई ने अमेरिका समेत कई देशों में सामान की कीमतें बढ़ा दी हैं। यही कारण है कि अब वहां से इलेक्ट्रॉनिक सामान, फैशन उत्पाद या रोजमर्रा की चीजें खरीदने में पहले जैसा लाभ नहीं मिल रहा। विनीत के ने भारतीय उपभोक्ताओं को सलाह दी कि महंगे उपकरण, खासकर स्मार्टफोन और गैजेट्स, अब भारत में खरीदना अधिक समझदारी हो सकती है क्योंकि कीमतों का अंतर काफी कम हो गया है। भारतीय उपभोक्ता विदेश की बजाय घरेलू बाजार को अधिक व्यावहारिक विकल्प मानने लगे हैं।

संजय राउत का पीएम मोदी पर हमला
संकट के बीच विदेश दौरे पर उठाए सवाल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने 18 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घरेलू संकट के दौरान विदेश यात्रा की आलोचना की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर NEET जैसी राष्ट्रीय संस्थाओं को नियंत्रित करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के तुरंत बाद देश संकट में डूब गया, एक ऐसी स्थिति जिसकी आशंका उन्होंने और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहले ही जताई थी। राउत ने कहा कि मोदी कहाँ हैं? वे सात देशों के दौरे पर हैं। भाजपा नीदरलैंड में उनके स्वागत का जश्न मना रही है और खुशी से झूम रही है। लेकिन मोदी को यहाँ आना चाहिए—हमारी संस्कृति पतन की ओर जा रही है। राउत ने मोदी की विदेश नीति पर भी सवाल उठाए, जिसमें ईरान युद्ध और रूस से तेल आयात पर भारत का रुख शामिल है। उन्होंने कहा कि आपने ईरान युद्ध पर बात क्यों नहीं की? क्या अमेरिका ने आपको रूस से तेल खरीदने के लिए नहीं कहा या अनुमति नहीं दी? हम कहते हैं कि यह 'ट्रम्प पर निर्भर' भारत है। स्वीडन द्वारा मोदी को दिए गए 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार कमांडर ग्रैंड क्रॉस' पुरस्कार का जिक्र करते हुए, शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने प्रधानमंत्री के विदेश दौरों की आलोचना करते हुए कहा कि पुरस्कार पाने में वे शतक पूरा कर लेंगे। वे

जिस भी देश में जाते हैं, वहाँ का सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त करते हैं... वे इस पुरस्कार का क्या करेंगे?... वे हमें विदेश यात्रा न करने के लिए कह रहे हैं, और वे खुद देशों का दौरा कर रहे हैं। संजय राउत ने राज्य नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था की भी आलोचना की और पुणे में हुई एक घटना का जिक्र किया, जहां उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के काफिले के कारण यातायात में भारी बाधा उत्पन्न हुई थी। उन्होंने कहा कि फडणवीस पुणे में थे और एक सामाजिक कार्यकर्ता ने उनके काफिले का वीडियो बना लिया। पुलिस ने कल सड़कें अवरुद्ध कर दीं। सरकारी काफिलों के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने आगे कहा कि देवेंद्र को जनता से अपील करनी चाहिए या इस तरह का व्यवहार कम करना चाहिए।

चीन के लियूझोउ शहर में आए भूकंप के तेज झटके

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

चीन का दक्षिण-पश्चिमी इलाका सोमवार तड़के भूकंप के तेज झटकों से दहल उठा। चीनी प्रांत ग्वांग्शी के लियूझोउ शहर में आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.2 मापी गई है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 2 लोगों की मौत होने की पुष्टि हुई है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता है। भूकंप के कारण इलाके में भारी नुकसान हुआ है। सरकारी मीडिया सीसीटीवी और समाचार एजेंसी 'सिन्हुआ' के अनुसार, भूकंप के चलते 13 इमारतें ढह गईं। मलबे में दबे लोगों की तलाश के लिए सर्च एंड रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने अब तक 7,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। मलबे और हादसों की चपेट में आने से घायल हुए 4 लोगों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, फिलहाल किसी भी घायल की जान को खतरा नहीं है। राहत की बात यह है

कि भूकंप के बावजूद प्रभावित क्षेत्र में संचार, बिजली, पानी और गैस की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है। साथ ही सड़क यातायात भी सुचारू रूप से चल रहा है। भूकंप के तेज झटकों को देखते हुए रेलवे अधिकारियों ने सुरक्षा जांच शुरू कर दी है। रेल लाइनों और बुनियादी ढांचे की मजबूती को परखा जा रहा है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इस जांच के कारण ट्रेनों के संचालन में देरी हो सकती है और यात्रियों को परिवहन संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

भारत का साथ देने के लिए नॉर्वे की सराहना

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपनी पांच देशों की यात्रा के क्रम में नॉर्वे पहुंचे। ओस्लो में नॉर्वे के पीएम Jonas Gahr Store के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद उन्होंने एक टीवी संदेश में पश्चिम एशिया संकट और यूक्रेन युद्ध के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को जरूरी बताते हुए कहा कि केवल सैन्य कार्रवाई से स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती। पीएम मोदी को नॉर्वे के सर्वोच्च सम्मान से भी नवाजा गया। ओस्लो में नॉर्वे के पीएम Jonas Gahr Store के साथ उन्होंने व्यापक वार्ता की। उन्होंने कहा कि भारत और नॉर्वे दोनों नियम-आधारित व्यवस्था, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। मोदी ने कहा, "चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति के लिए किए जा रहे हर प्रयास का समर्थन जारी रखेंगे।" स्वीडन से ओस्लो पहुंचने के कुछ घंटों बाद ही पीएम मोदी ने नॉर्वे के पीएम Jonas Gahr Store से मुलाकात की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने वैश्विक संस्थानों में सुधार की जरूरत पर भी

जोर दिया। उन्होंने कहा, "हम इस बात से सहमत हैं कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है।" उन्होंने कहा, "आतंकवाद को उसके हर रूप में जड़ से खत्म करना हमारी साझा प्रतिबद्धता है।" पीएम मोदी ने पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ मजबूती से खड़े होने के लिये नॉर्वे की तारीफ भी की। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। पीएम मोदी ने कहा, "मुझे पिछले साल नॉर्वे आना था, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के कारण मुझे वह यात्रा स्थगित करनी पड़ी। उस कठिन समय में, नॉर्वे ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मजबूती से खड़े होकर सच्ची मित्रता का उदाहरण पेश किया।" उन्होंने कहा, "आज नॉर्वे की यात्रा के दौरान, मैं उस एकजुटता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।v मोदी ने भारत के नेतृत्व वाली 'हिंद-प्रशांत महासागर पहल' में नॉर्वे के शामिल होने के निर्णय की भी सराहना की।

संपादक की कलम से

आधुनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग इतना व्यापक हो चुका है कि इसके बिना दैनिक जीवन की कल्पना करना कठिन प्रतीत होता है। खाने-पीने के सामान की पैकिंग से लेकर घरेलू वस्तुओं, चिकित्सा उपकरणों और औद्योगिक उत्पादों तक, हर क्षेत्र में प्लास्टिक का इस्तेमाल बढ़ा है। इसकी सस्ती लागत, हल्के वजन और सुविधाजनक उपयोग ने इसे लोकप्रिय बना दिया, लेकिन इसके बढ़ते दुष्प्रभाव आज पर्यावरण और मानव जीवन के लिए गंभीर संकट का कारण बनते जा रहे हैं। विकास और सुविधा की इस दौड़ में प्रकृति पर पड़ने वाले प्रभावों को लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया, जिसका परिणाम अब साफ दिखाई देने लगा है। प्लास्टिक की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह आसानी से नष्ट नहीं होता। एक प्लास्टिक बैग या बोतल को पूरी तरह समाप्त होने में सैकड़ों वर्ष लग सकते हैं। इस दौरान यह मिट्टी, जल और वायु को प्रदूषित करता रहता है। शहरों में नालियों के जाम होने से लेकर नदियों और समुद्रों में फैलते कचरे तक, हर जगह प्लास्टिक का प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या का एक बड़ा कारण प्लास्टिक कचरा भी है, जो जल निकासी व्यवस्था को बाधित करता है। समुद्री जीवन पर प्लास्टिक प्रदूषण का प्रभाव और भी चिंताजनक है। अनेक शोध बताते हैं कि समुद्र में रहने वाली मछलियां, कछुए और अन्य जीव प्लास्टिक के छोटे टुकड़ों को भोजन समझकर निगल लेते हैं, जिससे उनकी मृत्यु तक हो जाती है। यही प्लास्टिक सूक्ष्म कणों के रूप में खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर मनुष्य तक भी पहुंच रहा है। वैज्ञानिकों ने मानव शरीर में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी को लेकर भी चिंता व्यक्त की है, जो स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है। भारत सहित कई देशों ने एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम उठाए हैं, लेकिन केवल कानून बना देने से समस्या का समाधान संभव नहीं है। जब तक समाज में जागरूकता और व्यवहार में बदलाव नहीं आएगा, तब तक यह चुनौती बनी रहेगी। लोग अक्सर सुविधा के कारण कपड़े या जूट के थैलों की जगह प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल करते हैं। बाजार, उद्योग और उपभोक्ता—तीनों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। इसके साथ ही वैकल्पिक उत्पादों को बढ़ावा देना भी आवश्यक है। जैविक रूप से नष्ट होने वाले पदार्थों से बने उत्पाद, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) की बेहतर व्यवस्था और कचरा प्रबंधन प्रणाली को मजबूत बनाना समय की आवश्यकता है। स्कूलों और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से पर्यावरण शिक्षा को भी अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी प्रकृति संरक्षण के महत्व को समझ सके।यह समझना जरूरी है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। छोटी-छोटी आदतें, जैसे प्लास्टिक की बोतलों का कम उपयोग, कपड़े के बैग अपनाना और कचरे का सही निपटान, बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकती हैं। यदि आज इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसे पर्यावरण का सामना करना पड़ सकता है, जहां स्वच्छ जल, स्वच्छ हवा और स्वस्थ जीवन केवल कल्पना बनकर रह जाए।

छात्र राजनीति से मुख्यमंत्री तक वीडी सतीशन ने संभाली केरल की कमान

केरल में नई कांग्रेस सरकार ने सोमवार को शपथ ग्रहण किया। तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में हुए समारोह में वीडी सतीशन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई बड़े नेता कार्यक्रम में मौजूद रहे।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केरल की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई बड़े नेता मौजूद रहे।वीडी सतीशन का राजनीतिक सफर संघर्ष और मेहनत से भरा रहा है। उन्होंने 1990 के दशक में छात्र राजनीति से अपने करियर की शुरुआत की थी। वर्ष 1996 में उन्होंने पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले सतीशन की कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी, फिर भी उन्होंने राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई। परिवार के सहयोग और अपनी मेहनत के दम पर उन्होंने संगठन और जनता के बीच मजबूत पकड़ बनाई।राजनीति में आने से पहले सतीशन केरल हाईकोर्ट में वकालत भी कर चुके हैं। उन्हें जमीन से जुड़ा नेता माना जाता है, जो लोगों से सीधे संवाद करने में विश्वास रखते हैं। उनके करीबी बताते हैं कि उनमें बचपन से ही नेतृत्व क्षमता थी और यही गुण उन्हें राजनीति में आगे लेकर आया।नई कैबिनेट में वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला, के मुरलीधरन और केपीसीसी प्रमुख सनी जोसेफ को भी शामिल किया गया है। वहीं इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता पीके कुन्हालीकुट्टी, पीके बशीर, एन समसुद्दीन, केएम शाजी और वीई अब्दुल गफूर ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इसके अलावा मॉन्स जोसेफ, शिबू बेबी जॉन, अनूप जैकब, टी सिद्दीकी, पीसी विष्णुनाथ, रोजी एम जॉन और बिंदु कृष्णा समेत कई नए चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह मिली है।सतीशन ने घोषणा की कि तिरुवंचूर राधाकृष्णन विधानसभा अध्यक्ष होंगे, जबकि शनिमोल उस्मान उपाध्यक्ष का पद संभालेंगी। विधायक अपू जॉन जोसेफ को सरकार का मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है।इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर पोस्ट कर वीडी सतीशन को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए केरल की नई सरकार को हर संभव सहयोग देगी।

आम आदमी पार्टी AAP की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आम आदमी पार्टी AAP की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में पंजाब सरकार के एक मंत्री पर हुई कार्रवाई के बाद अब पार्टी के एक और बड़े नेता जांच एजेंसी के रडार पर आ गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ED ने 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के बैंक फ्रॉड मामले में आप नेता दीपक सिंगला के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। सोमवार की सुबह ईडी की टीमों ने दिल्ली और गोवा समेत देश के कई हिस्सों में सिंगला के ठिकानों पर एक साथ धावा बोल दिया। इस कार्रवाई के तहत ईडी की एक टीम पूर्वी दिल्ली के पॉश इलाके स्वास्थ्य विहार में स्थित दीपक सिंगला के घर पर भी पहुंची। कार्रवाई को देखते हुए घर के बाहर भारी संख्या में अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है और सुरक्षा बेहद सख्त कर दी गई है। घर के अंदर मौजूद अधिकारी सिंगला के तमाम वित्तीय दस्तावेजों, कागजातों और कंप्यूटर-मोबाइल जैसे इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स की बारीकी से जांच कर रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बैंक धोखाधड़ी का यह मामला ईडी के चंडीगढ़ जोन में दर्ज है। जांच एजेंसी पिछले कई महीनों से बैंक ट्रांजेक्शन, सिंगला से जुड़ी कंपनियों के खातों और अन्य वित्तीय लेन-देन पर नजर रखे हुए थी। पुख्ता सबूत मिलने के बाद ही ईडी ने इस छापेमारी को अंजाम दिया है, ताकि इस कथित घोटाले की परतों को खोला जा सके और पैसों की हेराफेरी मनी लॉन्ड्रिंग का सच सामने आ सके। दीपक सिंगला के लिए जांच एजेंसियों का यह एक्शन नया नहीं है, पिछले साल भी उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। इस बार की रेड में अधिकारी मुख्य रूप से यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बैंक से धोखाधड़ी की गई रकम को कहां-कहां निवेश किया गया या उसे किस तरह ठिकाने लगाया गया। फिलहाल इस पूरी कार्रवाई पर ईडी की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है, और न ही आम आदमी पार्टी ने इस पर अभी तक अपनी कोई सफाई पेश की है। लेकिन इस कार्रवाई ने दिल्ली से लेकर गोवा तक के सियासी और कारोबारी गलियारों में खलबली मचा दी है।

सुनेत्रा पवार के सामने युवा गुट और अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाने की चुनौती

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

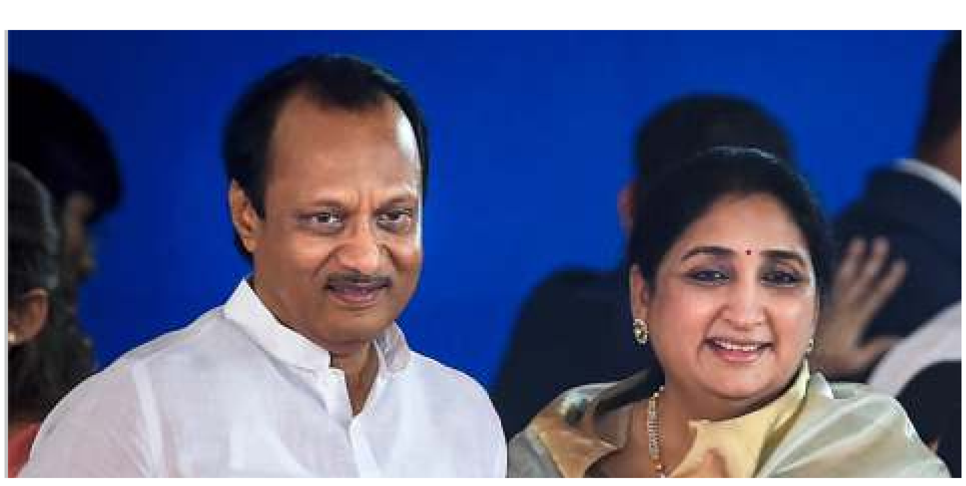

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में इन दिनों पार्टी पर कब्जे को लेकर एक शांत लेकिन तीखी जंग चल रही है। इस विवाद के केंद्र में महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री और पार्टी की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार हैं। बारामती उपचुनाव जीतने के बाद अब उनके सामने पार्टी के भीतर दो गुटों को संभालने की बड़ी चुनौती है। पार्टी के जानकार बताते हैं कि सुनेत्रा पवार अपने बेटे पार्थ पवार के युवा गुट और प्रफुल्ल पटेल व सुनील तटकरे जैसे अनुभवी नेताओं के बीच फंसी हुई हैं। यह विवाद तब खुलकर सामने आया जब सुनेत्रा पवार ने चुनाव आयोग को एक पत्र भेजा। इस पत्र में प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के पदों का जिक्र नहीं किया गया था। जबकि छोटे पदाधिकारियों के पद साफ लिखे थे, इन दो बड़े नेताओं के नाम के आगे जगह खाली छोड़ दी गई थी। इस पत्र के लीक होने से पार्टी में फिर से फूट की खबरें उड़ने लगीं। हालांकि, सुनेत्रा पवार और उमेश पाटिल जैसे नेताओं ने इसे तकनीकी गलती बताया। लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह पार्थ पवार के नेतृत्व वाले युवा गुट की एक सोची-समझी चाल थी। इसका मकसद अनुभवी नेताओं को पार्टी पर पूरी तरह कब्जा करने से रोकना था। सुनेत्रा पवार के सामने अब तीन बड़ी चुनौतियां हैं। पहली चुनौती परिवार और अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाना है। अगर वह दिग्गजों को किनारे करती हैं, तो पार्टी का ढांचा कमजोर हो सकता है। दूसरी चुनौती संसाधनों की कमी है। दिवंगत अजित पवार के पास वित्त मंत्रालय था, जिससे वह ग्रामीण क्षेत्रों के नेताओं को फंड दे सकते थे। सुनेत्रा के पास अभी आबकारी और खेल जैसे मंत्रालय हैं। ऐसे में जिला बैंकों और सहकारी संस्थाओं के नेताओं को अपने साथ जोड़े रखना उनके लिए मुश्किल होगा। तीसरी चुनौती शरद पवार के गुट से मिल रही टक्कर है। रोहित पवार जैसे विपक्षी नेता इस आंतरिक कलह का फायदा उठा रहे हैं। वे अफवाहें फैला रहे हैं कि अनुभवी नेता केवल अपने फायदे के लिए पवार परिवार का साथ दे रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि सुनेत्रा पवार को जल्द ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलानी चाहिए। उन्हें अनुभवी नेताओं और युवाओं की जिम्मेदारी तय करनी होगी। साथ ही, आगामी चुनावों में भाजपा और शिंदे गुट के सामने अपनी पार्टी की सीटों की रक्षा करनी होगी।

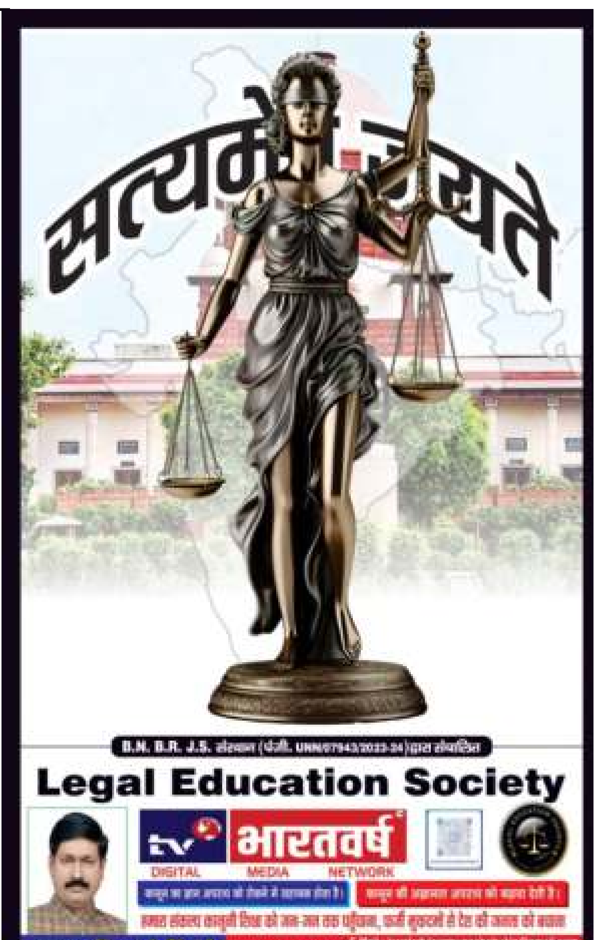

यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा प्रक्रिया में किया बड़ा बदलाव

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 की तैयारी कर रहे लाखों अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। आयोग ने सोमवार को घोषणा की कि अब पहली बार सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के तुरंत बाद उसकी प्रोविजनल आंसर की जारी की जाएगी। यूपीएससी के इस निर्णय को परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। अब तक यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा की आंसर की अंतिम परिणाम प्रक्रिया पूरी होने के काफी समय बाद जारी करता था। इससे अभ्यर्थियों को अपने प्रदर्शन का सही आकलन करने में कठिनाई होती थी। लंबे समय से छात्र संगठन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी मांग कर रहे थे कि परीक्षा के तुरंत बाद उत्तर कुंजी उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे अपने उत्तरों का मिलान कर सकें और आगामी रणनीति तय कर सकें। आयोग ने छात्रों की इस वर्षों पुरानी मांग को स्वीकार करते हुए नई व्यवस्था लागू कर दी है। यूपीएससी द्वारा जारी सूचना के अनुसार, 24 मई 2026 को आयोजित होने वाली सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के तुरंत बाद प्रोविजनल आंसर की सार्वजनिक कर दी जाएगी। इससे उम्मीदवारों को यह जानने में आसानी होगी कि उन्होंने कितने प्रश्न सही किए हैं और उनकी संभावित स्थिति क्या हो सकती है। यूपीएससी के अध्यक्ष अजय कुमार ने इस फैसले को आयोग की कार्यप्रणाली में एक नई और सकारात्मक शुरुआत बताया है। उन्होंने कहा कि आयोग परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और समयबद्ध बनाने के लिए लगातार सुधार कर रहा है। उनका कहना है कि इस पहल से अभ्यर्थियों का भरोसा और मजबूत होगा तथा उन्हें परीक्षा प्रक्रिया के प्रति अधिक स्पष्टता मिलेगी।आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी अभ्यर्थी को प्रोविजनल आंसर की में किसी उत्तर पर आपत्ति है, तो वह निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। इसके लिए आयोग ने 31 मई 2026 की शाम 6 बजे तक का समय तय किया है। उम्मीदवार आधिकारिक पोर्टल upsconline.nic.in/login पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से अपनी आपत्तियां प्रस्तुत कर सकेंगे।आपत्ति दर्ज करते समय अभ्यर्थियों को अपने दावे के समर्थन में तीन प्रमाणिक स्रोतों या दस्तावेजों का उल्लेख करना होगा। आयोग ने कहा है कि केवल तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित आपत्तियों पर ही विचार किया जाएगा।यूपीएससी ने जानकारी दी कि प्राप्त सभी आपत्तियों की जांच विषय विशेषज्ञों की एक विशेष समिति द्वारा की जाएगी। विशेषज्ञ प्रत्येक प्रश्न और उससे संबंधित दस्तावेजों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करेंगे। सभी अभ्यावेदनों की समीक्षा के बाद ही अंतिम उत्तर कुंजी तैयार की जाएगी। सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है। इसके माध्यम से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) सहित कई केंद्रीय सेवाओं के लिए अधिकारियों का चयन किया जाता है। ऐसे में आयोग का यह फैसला लाखों छात्रों के लिए बड़ी राहत और परीक्षा प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सुधार के रूप में देखा जा रहा है।

भारतीय नौसेना का अगला प्रमुख जानें पढ़ाई से लेकर सैलरी तक सबकुछ

देश की समुद्री सुरक्षा की जिम्मेदारी अब एक नए हाथों में जाने वाली है. वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को भारतीय नौसेना का अगला प्रमुख (Chief of Naval Staff) नियुक्त किया गया है. वे 31 मई 2026 को अपना कार्यभार संभालेंगे. अभी वे मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडिंग इन चीफ हैं. मौजूदा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी 30 मई को रिटायर हो रहे हैं, जिसके बाद यह जिम्मेदारी स्वामीनाथन को सौंपी जाएगी. कृष्णा स्वामीनाथन का जन्म बेंगलुरु में हुआ था. उनके पिता डी. स्वामीनाथन और माता शांता स्वामीनाथन दोनों शिक्षक थे. यानी घर का माहौल शुरू से ही पढ़ाई और अनुशासन से जुड़ा हुआ था. उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई बेंगलुरु के मशहूर Bishop Cotton Boys' School से की. इसके बाद वे Sainik School, Bijapur में पढ़े, जहां से उनके अंदर सेना और अनुशासन की नींव और मजबूत हुई. आगे चलकर उन्होंने नेशनल डिफेन्स अकादमी (NDA), पुणे से अपनी उच्च सैन्य शिक्षा पूरी की. यहीं से उनका सफर भारतीय नौसेना की ओर बढ़ा. दुनिया के बड़े सैन्य संस्थानों से मिली ट्रेनिंग कृष्णा स्वामीनाथन सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी उच्च सैन्य प्रशिक्षण ले चुके हैं. उन्होंने यूनाइटेड किंगडम के जॉइंट सर्विसेज कमांड एन्ड स्टाफ कॉलेज श्रीवेनहम से पढ़ाई की है. इसके अलावा उन्होंने College of Naval Warfare, Karanja और United States Naval War College से भी महत्वपूर्ण सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया. 1987 में शुरू हुआ नौसेना का सफर वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को 1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन मिला था. इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे अपने काम से एक अलग पहचान बनाई. वे संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ माने जाते हैं.

कमांडोज के बीच बंदूक थामे दिखे एमएस धोनी

कोच हेमांग बदानी ने कहा मिचेल स्टार्क सबसे बड़े खिलाड़ियों में से एक हैं

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स (DC) ने रविवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (RR) को 5 विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को जिंदा रखा है। इस जीत के साथ ही दिल्ली के अब 12 पॉइंट्स हो गए हैं और वह चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) और राजस्थान रॉयल्स की बराबरी पर आ गई है। लेकिन इस शानदार जीत के बाद भी दिल्ली के खेमे में एक अलग ही बहस छिड़ गई है। मैच खत्म होने के बाद हेड कोच हेमांग बदानी ने मीडिया से बात करते हुए उस मुद्दे पर अपनी भड़ास निकाली, जिसने इस पूरे सीजन में दिल्ली का खेल बिगाड़ा है और वो मुद्दा विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता (Availability) है। कोच हेमांग बदानी ने साफ शब्दों में कहा कि विदेशी क्रिकेट बोर्ड्स के मनमाने फैसलों की वजह से आईपीएल फ्रेंचाइजीज लाचार हो जाती हैं।उन्होंने कहा, 'एक कोच के तौर पर मैं बिल्कुल चाहूंगा कि मेरे सारे खिलाड़ी पहले दिन से मेरे साथ रहें। मिचेल स्टार्क हमारी टीम के सबसे बड़े खिलाड़ियों में से एक हैं। हमने उन पर बड़ा भरोसा जताया है और भारी निवेश किया है, क्योंकि हम जानते हैं कि वह अकेले दम पर मैच जिता सकते हैं। लेकिन अगर कुछ चीजें मेरे पे-ग्रेड (अधिकार क्षेत्र) से बाहर हैं और क्रिकेट एसोसिएशन या गवर्निंग बॉडीज मिलकर कोई फैसला लेती हैं, तो एक फ्रेंचाइजी या कोच के तौर पर हम बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते।' उन्होंने बाकी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) ने जोश हेजलवुड और पैट कमिंस के मामले में भी ऐसा ही किया था

डगआउट में अकेले बैठे PBKS के कोच भावुक हुए आर अश्विन

पंजाब किंग्स का आईपीएल 2026 का अभियान अब एक अहम मोड़ पर पहुंच गया है, क्योंकि फ्रैंचाइजी लगातार छठी हार के बाद बाहर होने की कगार पर पहुंच चुकी है। इस बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उसे 23 रन से हार का मुंह देखना पड़ा है। धर्मशाला में हार ने न केवल उनकी प्लेऑफ की उम्मीदों को झटका दिया, बल्कि हेड कोच रिकी पोंटिंग भी साफ तौर पर हताश दिखे। मैच खत्म होने के बाद पोंटिंग को पंजाब किंग्स के डगआउट में अकेले बैठे देखा गया, जो नजारे को चुपचाप देख रहे थे। यह पल तेजी से वायरल हो गया और भारत के पूर्व ऑलराउंडर आर अश्विन भी इस तस्वीर को देख अपने इमोशन नहीं रोक पाए। अश्विन ने अपने यू-ट्यूब शो ऐश की बात में कहा कि यह तस्वीर पंजाब किंग्स के खराब फॉर्म के इमोशनल असर को दिखाती है। पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर दोनों के लिए हमदर्दी दिखाते हुए उन्होंने फ्रेंचाइजी के अंदर गहरे स्ट्रक्चरल मुद्दों की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि मैंने टीवी पर एक तस्वीर देखी। रिकी पोंटिंग डगआउट में अकेले आगे झुके हुए थे। उनके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा। वे इस टूर्नामेंट में टॉप दो में जगह बनाने की सबसे अच्छी स्थिति में थे।

धोनी ने इशारा करते हुए पूछा- फिट लग रहा हूं ना

IPL 2026 के बीच चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। इस बार वजह उनका क्रिकेट नहीं, बल्कि नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (NSG) कैंप में कमांडोज के साथ बिताया गया खास पल है। धोनी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह NSG जवानों के साथ शूटिंग प्रैक्टिस करते और मजाकिया अंदाज में बातचीत करते नजर आ रहे हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि धोनी 17 मई को चेन्नई स्थित NSG रीजनल हब पहुंचे थे, जहां उन्होंने कमांडोज से मुलाकात की और कैंप की गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने फायरिंग रेंज में आधुनिक हथियारों से शूटिंग भी की। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में धोनी ब्लैक टी-शर्ट और डेनिम जींस में काफी फिट दिखाई दे रहे हैं। वीडियो का सबसे मजेदार पल तब आया जब कमांडोज की फिटनेस और ट्रेनिंग पर बातचीत के दौरान धोनी ने अचानक खुद की ओर इशारा करते हुए पूछा- फिट लग रहा हूं ना, यह सुनते ही वहां मौजूद सभी जवान खिलखिला उठे। धोनी का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि धोनी का भारतीय सेना से रिश्ते हमेशा खास रहा है। साल 2011 में भारतीय सेना ने उन्हें टेरिटोरियल आर्मी की पैराशूट रेजिमेंट में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि दी थी। खास बात यह है कि धोनी ने इस सम्मान को सिर्फ औपचारिकता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने सेना के ट्रेनिंग मॉड्यूल पूरे किए और जम्मू-कश्मीर में गार्ड ड्यूटी तक निभाई। फिलहाल फैंस IPL 2026 में धोनी की वापसी का इंतजार कर रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने अब तक उनके खेलने की स्थिति को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। धोनी इस सीजन अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं क्योंकि वह चोट से जूझ रहे हैं। हालांकि, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के आखिरी घरेलू मुकाबले से पहले धोनी ने नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास किया, जिससे उनकी वापसी की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। कई फैंस तो यह भी मान रहे हैं कि अगर धोनी मैदान पर उतरते हैं, तो यह IPL में उनका आखिरी मैच भी हो सकता है।

दिल्ली मेट्रो की लड़ाई वायरल, भड़के सोशल मीडिया यूजर्स

बहस के बाद लड़की ने जड़ा बुजुर्ग को थप्पड़

आए दिन दिल्ली मेट्रों में लड़ाई-झगड़े या बहस के वीडियो सामने आते रहते हैं. एक ऐसा ही वीडियो चर्चमा में है, जिसमें एक लड़की सीट को लेकर एक शख्स को थप्पड़ लगाती दिख रही है.

दिल्ली मेट्रो में लड़ाई-झगड़े से जुड़े वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं. आए दिन कोई बहस, डांस या झगड़े का वीडियो सामने आते रहते हैं. इन दिनों ऐसा ही एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला ने मेट्रो में सफर कर रहे एक शख्स को थप्पड़ लगा दिया.

सोशल मीडिया पर दिल्ली मेट्रो का एक वीडियो घूम रहा है. इसमें सीट को लेकर एक महिला और एक पुरुष के बीच तीखी बहस होती दिखाई दे रही है. देखते ही देखते यह बहस हाथापाई में तब्दील हो गई. जब महिला ने शख्स को थप्पड़ जड़ दिया. इस घटना का किसी यात्री ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया. उसके बाद से यह वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर @ghar-kekalesh नाम के हैंडल से एक वीडियो शेयर किया गया है. इसका कैप्शन है - दिल्ली मेट्रो के अंदर सीट को लेकर लड़की और अंकल के बीच कलेश. इस वीडियो में मेट्रो में सीट को लेकर एक लड़की और सीट पर बैठे शख्स के बीच तीखी बहस होती दिखाई देती है. फिर अचानक से लड़की उस आदमी को थप्पड़ लगा देती है.

इसके बाद वो शख्स भी खड़ा हो जाता है और लड़की को मारने के लिए हाथ उठाता है, फिर हाथ रोक लेता है. दोनों के बीच में एक महिला बीच-बचाव करती दिखाई देती है. लड़की लगातार ऊंची आवाज में सामने बैठे शख्स से बहस करती रह जाती है. इसके बाद उस शख्स को आसपास के लोग समझाकर बैठा देते हैं और लड़की आगे बढ़ जाती है.

टकराव हाथापाई में तब्दील

जैसे-जैसे लड़की का गुस्सा बढ़ता गया, टकराव हाथापाई में तब्दील हो गई. एक समय ऐसा भी आया जब महिला ने बहस के दौरान पुरुष को थप्पड़ मार दिया. पुरुष तुरंत अपनी सीट से उठा और उसकी ओर बढ़ा, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई. इस वीडियो पर काफी लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. एक शख्स ने लिखा है - दिल्ली मेट्रो को ऐसे झगड़ों के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए.

स्नेक शो में सपेरे के हाथ से भागा सांप, टूरिस्ट को डसा

इजिप्ट में के एक रिसोर्ट में हाल ही में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई. इजिप्ट के पिरामिड देखने और वहां घूमने आए एक जर्मन टूरिस्ट की विचित्र तरीके से मौत हो गई. वह शख्स रिसोर्ट में सांप के करतब (स्नेक शो) देख रहा था. यह स्नेक शो उसके टूर पैकेज के एक एक्सक्लूसिव ऑफर का हिस्सा था. करतब के दौरान जब सपेरा सांप को टूरिस्ट के नजदीक ले गया तो वह फिसलकर उसके पैंट में घुस गया और उसे काट लिया. न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि एक जर्मन पर्यटक की तब मौत हो गई.

शादी की शर्त ने मचाया बवाल

अपर कास्ट या फिर 80 लाख की कमाई जरूरी

क्या आज भी शादी में प्यार से ज्यादा जाति और पैसा मायने रखते हैं? हाल ही में सामने आई एक घटना ने इसी सवाल को फिर से चर्चा में ला दिया है. एक पढ़ी-लिखी और सफल महिला ने अपनी शादी के लिए ऐसी शर्त रख दी, जिसने आधुनिक सोच पर सवाल खड़े कर दिए- या तो दूल्हा 'उच्च जाति' का हो, वरना उसकी कमाई 80 लाख रुपये सालाना होनी चाहिए. इस एक शर्त ने दिखा दिया कि आज भी समाज में जाति और स्टेटस की सोच कितनी गहराई से जुड़ी हुई है, भले ही हम खुद को कितना भी प्रगतिशील क्यों न मान लें.

कहानी एक 32 साल की महिला की है, जो अपना खुद का फैशन बिजनेस चलाती है. वह एक अच्छे और पढ़े-लिखे परिवार से आती है. उसके पिता आईपीएस अधिकारी हैं और मां एक टीचर हैं. यानी बाहर से देखने पर वह एक आधुनिक और प्रगतिशील सोच वाले परिवार की लगती है. लेकिन जब बात शादी की आई, तो उसने दूल्हे के लिए एक खास शर्त रखी.

3 लाख महीना भी पड़ रहा कम

कपल ने महंगाई के डर से चुना 'नो किड्स' फॉर्मूला

आज के समय में बढ़ती महंगाई और ऊंचे खर्चों ने लोगों की जिंदगी के बड़े फैसलों को भी बदल दिया है. जहां पहले शादी के बाद बच्चा होना एक सामान्य बात मानी जाती थी, वहीं अब कई कपल इस पर दोबारा सोच रहे हैं.

गुरुग्राम के एक कपल ने भी कुछ ऐसा ही फैसला लिया है, अच्छी खासी कमाई होने के बावजूद उन्होंने बच्चा न करने का निर्णय लिया, और इसकी वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे. गुरुग्राम में रहने वाले एक दंपति ने बच्चा न करने का फैसला लिया है, और इसकी वजह है बढ़ती महंगाई और खर्चे. इस दंपति की सालाना कमाई करीब 36 लाख रुपये है, जो सुनने में काफी अच्छी लगती है. पति हर महीने लगभग 2 लाख रुपये कमाते हैं और पत्नी 1 लाख रुपये कमाती हैं. लेकिन इसके बावजूद उनका कहना है कि वे अभी बच्चे का खर्च नहीं उठा सकते.

इस बात को उनके रिश्तेदार हर्ष गुप्ता ने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसके बाद यह मुद्दा चर्चा में आ गया. उन्होंने बताया कि कागजों पर तो यह दंपति आर्थिक रूप से मजबूत लगता है, लेकिन असल जिंदगी में खर्च इतने ज्यादा हैं कि वे परिवार बढ़ाने से बच रहे हैं. कपल का कहना है कि गुरुग्राम जैसे शहर में एक अच्छा घर खरीदना बहुत मुश्किल हो गया है. उन्होंने बताया कि वे एक ठीक-ठाक 1BHK फ्लैट भी नहीं खरीद पा रहे हैं. ऐसे में उनका सवाल है कि जब वे खुद के लिए सही जगह नहीं ले पा रहे, तो बच्चे के लिए बेहतर माहौल कैसे देंगे. इसके अलावा, बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी बहुत ज्यादा है.

प्राइवेट स्कूलों की फीस हर महीने करीब 35,000 से 40,000 रुपये तक हो सकती है, जो उनके लिए उनके लिए संभालना मुश्किल है. यही कारण है कि उन्होंने अभी बच्चा न करने का फैसला लिया है. आजकल ऐसे कई शहरी कपल हैं, जो डबल इनकम, नो किड्स यानी DINK लाइफस्टाइल अपना रहे हैं.

'राजा शिवाजी' के लिए बिना फीस काम करने की खबरों पर बोले

अभिषेक बच्चन- कला में पैसों से ज्यादा जरूरी जुनून

अभिषेक बच्चन इन दिनों 'राजा शिवाजी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन ने रितेश देशमुख स्टारर छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े भाई संभाजी शहाजी भोसले की भूमिका निभाई है। इस फिल्म को रिलीज हुए 10 दिन से ज्यादा हो गए हैं और अभी भी इसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस फिल्म को रितेश देशमुख ने प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया है और साथ ही साथ लीड रोल भी निभाया है। रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन के अलावा फिल्म में विद्या बालन, जेनेलिया डिसूजा और सलमान खान जैसे स्टार भी हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक चर्चा जोरों पर है। बताया जा रहा है कि फिल्म के लिए अभिषेक बच्चन सहित कई सितारों ने कोई फीस नहीं ली है। इन खबरों पर अब अभिषेक बच्चन ने खुद प्रतिक्रिया दी है। न्यूज18 से बातचीत में अभिषेक बच्चन ने 'राजा शिवाजी' के लिए फीस चार्ज न करने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'आजकल रील्स में फैक्ट्स और फिगर्स की बात हो रही है और लोगों को कलाकारों की फीस, वैन की डिमांड जैसी बातों में मजा आ रहा है, लेकिन आखिर में ये एक आर्ट फॉर्म है। ऐसा आर्ट फॉर्म जो दिल से शुरू होता है। जब किसी प्रोजेक्ट पर यकीन सच्चा हो तो पैसी और सुविधाएं कोई मायने नहीं रखतीं। मेरे लिए अभिनय भावनात्मक जुड़ाव है। प्रेरणा ही कला की असली शुरुआत होती है।' अभिषेक बच्चन ने बातचीत के दौरान रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा की भी जमकर तारीफ की। स्टार कपल की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा- 'आज के समय में फिल्मों में बहुत सारी गणित लगाई जाती है, लेकिन रितेश और जेनेलिया ने साबित कर दिया है कि हर चीज नंबर्स पर नहीं टिकी होती। उनके लिये ये प्रोजेक्ट बहुत पवित्र था। उन्होंने कभी भी इस फिल्म को किसी प्रोजेक्ट की तरह नहीं देखा, बल्कि इसे फिल्म से कहीं बड़ा और पवित्र मानकर काम किया।' अभिषेक ने फिल्म की भव्यता और चुनौतियों के बारे में बात करते हुए बताया कि मराठी सिनेमा में पहले कभी इतने बड़े स्केल पर कोई फिल्म नहीं बनी है। उन्होंने फिल्म की

भव्यता का बारे में बात करते हुए कहा, 'यूनिट को खुश, सुरक्षित और मोटिवेटेड रखना बहुत मुश्किल काम था। मगर रितेश और जेनेलिया ने इन सभी जिम्मेदारियों को बखूबी संभाला। मुझे सेट पर कभी किसी की भी कोई शिकायत नहीं सुनाई दी। मैं उन्हें अपने परिवार से अलग नहीं मानता। वे बहुत ही प्यारे, डाउन टू अर्थ और भरोसेमंद दोस्त हैं। मैं मुंबई में पला बढ़ा हूं, इसलिए मैं मराठी से परिचित था, लेकिन स्क्रीन पर पहली बार मराठी बोल रहा था, इसलिए थोड़ा नर्वस था।'

लखनऊ कचेहरी में बुलडोजर एक्शन पर बवाल

पुलिस लाठीचार्ज के खिलाफ बड़े आंदोलन की चेतावनी

न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की पीठ ने अधिवक्ता अनुराधा सिंह व अन्य की ओर से दाखिल एक आपराधिक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए गत 11 मार्च 2026 को ही नगर निगम को पुराने हाईकोर्ट के आसपास हुए अतिक्रमण को हटाने का आदेश दिया था।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ कचेहरी के आसपास बने वकीलों के अवैध चैंबरों को तोड़ने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। कई वकील संगठन अब एक हो गए हैं। सेंट्रल बार के पदाधिकारियों की ओर से आज से कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी गई है। इन्हें अन्य संगठनों का भी समर्थन है। ऐसे में वकील धरना-प्रदर्शन शुरू कर सकते हैं। दरअसल, हाईकोर्ट के आदेश पर नगर निगम की तरफ से रविवार सुबह से ही अवैध चैंबर हटाने की कार्रवाई शुरू हुई थी। हाईकोर्ट ने निबंधन कार्यालय के आसपास नाले के ऊपर बने अवैध चैंबरों को हटाने का आदेश दिया था। आरोप है कि नगर निगम टीम यहां अंतिम समय में कार्रवाई करने पहुंची, जिस पर वकीलों ने विरोध शुरू कर दिया। पथराव हुआ। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। कुछ ही अवैध चैंबर और दुकानें तोड़ने के बाद नगर निगम और पुलिस को कार्रवाई रोकनी पड़ गई। बचे हुए चैंबरों को वकील खुद ही खाली कर कर रहे हैं। कार्रवाई के डर के बीच वकीलों की तरफ से खुद ही अवैध चैंबर खाली किया जा रहा है। जहां पर नगर निगम की तरफ से क्रॉस का निशान लाल रंग से लगाया गया था। ऐसे में करीब 40 से अधिक चैंबर मौके पर हैं, जिन्हें खाली किया गया है। इसमें कई घर और दुकानें भी शामिल हैं। अतिक्रमण हटाने के दौरान भी वकीलों की तरफ से यह मुद्दा नगर निगम के जोनल अधिकारी ओपी सिंह, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव और डीसीपी कमलेश दीक्षित के सामने उठाया गया। जब कार्रवाई का आदेश निबंधन कार्यालय के पास अवैध रूप से बने चैंबरों पर था तो सिर्फ पूरे क्षेत्र में कार्रवाई क्यों हुई? वकीलों ने जोनल अधिकारी से कहा कि एक मजार जो अतिक्रमण के रूप में थी आपने उसको छोड़ दिया। इसका सिर्फ एक बाहरी हिस्सा हटाया गया। ऐसे में पैसे लेकर कार्रवाई करने का आरोप लगाया गया। वकीलों पर लाठीचार्ज और एकतरफा कार्रवाई के विरोध में सेंट्रल बार एसोसिएशन ने दो दिवसीय कार्य बहिष्कार का ऐलान किया है। एसोसिएशन के महामंत्री संजीव दीक्षित का कहना है कि कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मेरे ऊपर भी बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज किया है। पुलिस ने शांतिपूर्वक विरोध कर रहे वकीलों को पीटा है। इस कार्रवाई को लेकर जब तक दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई नहीं होती तब तक वकील अपने कार्य पर नहीं लौटेंगे। इस मामले में बुधवार को लखनऊ बार एसोसिएशन, अवध बार एसोसिएशन और सेंट्रल बार एसोसिएशन की संयुक्त बैठक होगी। इस बैठक में आगे की रणनीति पर संयुक्त रूप से फैसला लिया जाएगा। बुलडोजर एक्शन पर वकीलों ने विरोध जताते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। लखनऊ बार असोसिएशन के महामंत्री जीतू यादव ने सोमवार को आपात बैठक बुलाई है। बैठक में पुलिस की लाठीचार्ज व प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान हो सकता है। महामंत्री का कहना है कि, हाईकोर्ट ने अतिक्रमण तोड़ने का आदेश दिया था। लेकिन पुलिस ने जिस बर्बरता से वकीलों को दौड़ाकर पीटा है इसे जायज नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि, प्रशासन की ओर से इस बड़ी कार्रवाई को लेकर कोई नोटिस तक नहीं दिया गया था। ऐसे में वकीलों के भीतर काफी आक्रोश है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के आदेश के अनुपालन में पुलिस एवं प्रशासन के सहयोग से नगर निगम ने कैसरबाग स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय (पुराना हाईकोर्ट परिसर) के आसपास से अवैध अतिक्रमण को साफ किया। इस अतिक्रमण में जहां अवैध रूप से बने तमाम वकीलों के चैम्बर तोड़े गए, तो वहां बनी अवैध दुकानें सहित अन्य अवैध निर्माण भी साफ कर दिए। कोर्ट के आदेश पर नगर निगम की कार्रवाई से नाराज वकीलों ने 25 मई को हाईकोर्ट में सुनवाई के समय अपना प्रतिकार का निर्णय लिया है।

झुलसाने वाली गर्मी के लिए रहिए तैयार

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। बुंदेलखंड समेत दक्षिणी यूपी के कई जिले भीषण लू और झुलसाने वाली गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने 19 से 23 मई तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तपिश बढ़ने, गर्म हवाएं चलने और पारे में लगातार बढ़ोतरी होने की जानकारी दी है। इससे कई जिलों में दिन के समय हालात और कठिन होने की आशंका है। सोमवार के लिए प्रदेश के 33 जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। रविवार को बांदा 46.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर दर्ज किया गया। इसके अलावा झांसी, प्रयागराज और हमीरपुर में भी लू का असर बेहद तीखा रहा। तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। अगले कुछ दिनों तक तापमान में लगातार बढ़ोतरी होने के आसार हैं। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्ज़ापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालोन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के क्षेत्र। रविवार को तेज धूप और गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। सुबह से ही चिलचिलाती धूप का असर दिखाई दिया। दोपहर में लू जैसे हालात बनने से सड़कें सूनीं नजर आईं। शाम में धूप ढलने के बाद भी हवा में तपिश महसूस की गई। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ कम नजर आई।

लखनऊ वकील विवाद पर अखिलेश का हमला, बोले- 'रामचरितमानस का अपमान करने वाली अधर्मी है भाजपा'

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में वकीलों के चैंबर पर बुलडोजर चलाने के मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गंभीर आरोप लगाए हैं. सपा चीफ ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक तस्वीर शेयर की है. इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि एक वकील के हाथ में रामचरितमानस है. उस पर पुलिस के जवान लाठी ताने खड़े हैं. यह तस्वीर साझा कर सपा चीफ ने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी 'अधर्मी है.' कन्नौज सांसद ने लिखा कि 'श्रीरामचरितमानस' हमारी सौहार्दपूर्ण संस्कृति का संविधान है और मानवीय-व्यावहारिक मर्यादा का आचार संहिता कोश. उप्र भाजपा सरकार ने जिस तरह लखनऊ में 'श्रीरामचरितमानस' का अपमान-तिरस्कार किया है, वो किसी भी तरह क्षमा करने योग्य नहीं है. यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा कि भाजपाइयों का सिर्फ़ एक धर्म है और वो है पैसा. देश 'अधर्मी भाजपा' को अब हमेशा के लिए हटा देगा. भाजपाई और उनके संगी-साथी प्रभु राम के भी सगे नहीं हैं. धर्म कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! इससे पहले रविवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने घटना की निंदा करते हुए इसे 'अन्याय' करार दिया और कथित लाठीचार्ज में घायल वकीलों के मुफ्त इलाज की मांग की थी. बता दें नगर निगम द्वारा वजीरगंज क्षेत्र में वकीलों के कथित 'अवैध चैंबर' गिराए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं पर पुलिस ने रविवार को हल्का बल प्रयोग किया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. पुलिस के बयान के अनुसार, इलाहाबाद उच्च न्ययाालय के आदेशों का पालन करते हुए नगर निगम ने अदालत परिसर और उसके आसपास अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया. यह इलाका वजीराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है. अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे. बयान में कहा गया है, 'कुछ उपद्रवी तत्वों ने विरोध प्रदर्शन करके कार्रवाई में बाधा डालने की कोशिश की. पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आवश्यक बल प्रयोग किया. इसके बाद अवैध अतिक्रमण शांतिपूर्वक हटा दिए गए.'

सीएम योगी ने अमर उजाला संवाद में कहा 'यूपी में अराजकता की छूट किसी को नहीं'

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 'अमर उजाला संवाद उत्तर प्रदेश 2026' चल रहा है। कार्यक्रम में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहुंचे। मंच पर सीएम योगी का स्वागत किया गया। संवाद में सीएम योगी ने अमर उजाला समूह और कार्यक्रम में मौजूद अन्य लोगों का भी धन्यवाद किया। सबसे पहले अमर उजाला परिवार को स्वर्णिम शताब्दी 78 वर्ष के शानदार सफर के लिए बधाई दी। सीएम योगी ने अमर उजाला संवाद में कहा कि इस कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों का धन्यवाद किया। सबसे पहले अमर उजाला परिवार को 78 वर्ष के शानदार सफर के लिए बधाई देता हूं। आपकी ये यात्रा हिंदी पत्रकारिता के लिए कुछ मानक भी गढ़ी है और ढेर सारे मुद्दों की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। आगे कहा कि जब हम हिंदी पत्रकारिता की बात करते हैं तो भारतेंदु ने हिंदी पत्रकारिता को एक नई ऊंचाई दी थी। भारत की आजादी के आंदोलन में लोकमान्य बाल गंगाधर हर भारतीय की जुबान पर थे। उनकी लेखनी ने भारत की आजादी को एक नई दिशा दी थी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक भी सनसनी भरी खबर कहां आग लगा दे, क्या कुछ कर दे, उसका भरोसा नहीं। हम इस बात के लिए कतई तैयार नहीं हैं कि यूपी में फिर से कर्फ्यू लगे, दंगों की शुरुआत हो और किसी प्रकार की अराजकता की छूट किसी को मिले। ऐसे में संवेदनशील रिपोर्ट ही मीडिया को विश्वसनीय बनाती है। अमर उजाला को उसकी 78 वर्षों की शानदार यात्रा के लिए बधाई देता हूं कि उसने विश्वसनीयता पर खरा उतरने का प्रयास किया है।

जेल में बंद वारंटी की इलाज के दौरान मौत हो गई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में जेल में बंद वारंटी की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर बेरहमी से पिटाई का आरोप लगाया है, जिससे उसकी मौत हुई। हालांकि, पुलिस और जेल प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार करते हुए बीमारी और खून की उल्टी को मौत का कारण बताया है। जानकारी के अनुसार, बल सिंह खेड़ा निवासी अनुज कुमार उर्फ कुल्ली एससी/एसटी एक्ट के एक मुकदमे में वांछित था। उसके खिलाफ न्यायालय से एनबीडब्ल्यू (गैर-जमानती वारंट) जारी किया था। पुलिस के मुताबिक, वारंट का अधिपत्र 13 मई 2026 को बिजनौर थाने को प्राप्त हुआ था, जिसकी न्यायालय द्वारा प्रतिदिन समीक्षा की जा रही थी। पुलिस ने अनुज कुमार को शनिवार को गोसाईंगंज क्षेत्र के खुजौली गांव में उसके मामा रामनरेश यादव के घर से गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, शनिवार दोपहर 2:25 बजे गिरफ्तारी के बाद उसे सीएचसी सरोजनीनगर ले जाकर चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया और फिर जिला कारागार लखनऊ भेज दिया गया।

सोमवार सुबह कई पंपों पर पेट्रोल नहीं मिला

लखनऊ में सोमवार सुबह कई पंपों पर पेट्रोल नहीं मिला। पंपकर्मियों ने स्टॉक न होने की बात कहकर लोगों को लौटा दिया। इसके बाद अन्य पंपों पर लोगों की भीड़ जुट गई। कोनेश्वर पंप पर पेट्रोल भरवाने के लिए लोगों की कतारें लग गईं। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ हालात सामान्य होते दिखे और प्रशासन व पंप संचालकों ने साफ किया कि शहर में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, इसलिए किसी तरह की अफरा-तफरी की जरुरत नहीं है। आज सुबह लखनऊ के अलग-अलग इलाकों, खासकर पुराने शहर के हिस्सों में कई पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को पेट्रोल नहीं मिल सका। पंप कर्मचारियों ने कुछ समय के लिए स्टॉक खत्म होने की बात कही। लोग बिना पेट्रोल लिए ही वापस लौटे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इससे पहले भी कुछ इलाकों में इस तरह की अस्थायी किल्लत देखी जा चुकी है। खासकर पुराने लखनऊ में सप्लाई और मांग के असंतुलन के कारण समय-समय पर ऐसी स्थिति बन जाती है, जिससे आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

हालांकि दिन बढ़ने के साथ अधिकांश पेट्रोल पंपों पर स्थिति सामान्य हो गई। लोगों ने रोजमर्रा की तरह पेट्रोल-डीजल भरवाया और कहीं भी लंबी कतारें नहीं दिखीं।

पंप संचालकों का दावा- स्टॉक पर्याप्त

पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि शहर में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। कुछ स्थानों पर तकनीकी या सप्लाई में थोड़ी देर की वजह से अस्थायी दिक्कत आई, लेकिन इसे बड़े संकट के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

प्रशासन और पंप संचालकों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। अधिकारियों के मुताबिक प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और कहीं भी कमी की स्थिति नहीं है। देश के कुछ हिस्सों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव के बाद पंपों पर भीड़ देखी जा रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश में हालात शांत हैं। लखनऊ में भी फिलहाल आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन बना हुआ है।

पत्रकार बनकर अवैध वसूली एवं धमकी देने का मामला

वाहनो से अवैध वसूली करने वाले 03 तथाकथित पत्रकार गिरफ्तार

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

दिनांक 18.05.2026 को वादी श्री अरविन्द कुमार सोनकर उर्फ बबलू पुत्र सूरज लाल सोनकर नि0 मोहल्ला छोटा गुरियाना जनपद अमेठी द्वारा थाना कोतवाली सदर पर प्रा0 पत्र दिया कि मैं मैजिक सीएनजी सं0-UP 33 DT 0583 का चालक हूँ। में उक्त वाहन से दिनांक 17.05.2026 समय करीब रात्री 10.30 बजे इन्डारगो कम्पनी के लिए पशुओ को लेकर रायबरेली रोड से दही क्षेत्र के लिए जा रहा था तभी कानपुर से लखनऊ हाईवे पर सीएनजी पंप से करीब 100 मीटर पहले (प्रेस एवं केवल प्रेस कार्य हेतु) लिखी हुई दो मोटरसाइकिल से चार लोग दौड़ाकर मेरी गाड़ी के आगे गाड़ी लगा दिए मैंने मजबूरीवस गाड़ी रोका तो इन लोगो द्वारा मुझे धमकाकर कहा गया कि गाडी से नीचे उतरो हम लोग पत्रकार है बिना हम लोगों को पैसा दिए कोई भी जानवारों की गाडी यहा से पास नहीं होती है और भी सभी गाडिया हम लोगों को पैसा देकर जाती है तभी पास होती है। मुझसे इन लोगो द्वारा धमकाकर तथा मेरा व मेरी लेवर को 25000 रु देने के लिए कहा मैंने तथा मेरे साथी ने मना किया तो इन लोगों ने धमकाया। मजबूरीवस हमने अपने जान को खतरा महसूस करते हुए 10000 रूपये जिसमें 500-500 के 14 नोट तथा 10 नोट 200-200 के व10 नोट 100-100 के थे इन लोगों ने लेकर मौके पर बाट लिया। बताये कि मेरी पत्रकारो की एक टीम है मैं स्वय प्रशान्त त्रिपाठी तथा मेरे साथ मेरी टीम के पुष्पेन्द्र यादव, आमिर व शिवप्रताप सिंह है जो निपुण भारत समाचार के नाम से है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली सदर पर मु0अ0सं0 0289/2026 धारा 308(5)/308(2)/351(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर मय हमराह पुलिस के मुकदमा उपरोक्त के वांछित अभियुक्तगण 01.प्रशान्त तिवारी पुत्र बिन्दा दयाल तिवारी उम्र 26 वर्ष निवासी अवस्थीखेड़ा थाना कोतवाली सदर जनपद उन्नाव 02. पुष्पेन्द्र यादव पुत्र रामबालक उम्र 30 वर्ष निवासी पहलीखेड़ा ललऊखेड़ा थाना कोतवाली सदर उन्नाव 03. आमिर पुत्र सलीम उम्र करीब 33 वर्ष वर्ष निवासी 288 छोटा चौराहा अब्बास बाग थाना कोतवाली सदर जनपद उन्नाव को गिरफ्तार किया गया जिसमे अभियुक्त आमिर पुत्र सलीम उपरात्क के कब्जे से 2000 Rs (दो हजार रुपया), 01 अदद प्रेस की आई0डी0 व अभियुक्त प्रशान्त तिवारी व पुष्पेन्द्र यादव उपरात्क के कब्जे से 3000-3000/RS ,05 अदद प्रेस की आई0डी0 बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर उक्त अभियोग मे धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

भीषण गर्मी में बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए विभाग की नई पहल

भीषण गर्मी के बीच विद्युत आपूर्ति बाधित होने से बचाने के लिए बिजली विभाग ने नई व्यवस्था लागू की है। जिले के सरैया, शुक्लागंज और गंगाघाट टाउन सब-स्टेशनों पर लगे बड़े ट्रांसफार्मरों को ठंडा रखने के लिए जंबो कूलर लगाए गए हैं। यह कदम लगातार बढ़ते तापमान के कारण ट्रांसफार्मरों में होने वाली अत्यधिक हीटिंग और फाल्ट के खतरे को कम करने के लिए उठाया गया है। इन दिनों उन्नाव जिले में भीषण गर्मी पड़ रही है, जहां तापमान लगातार 43 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ है। गर्म हवाओं और बिजली के बढ़ते लोड के कारण विद्युत आपूर्ति करने वाले बड़े ट्रांसफार्मर तेजी से गर्म हो रहे थे। विभाग को आशंका थी कि यदि समय रहते उचित उपाय नहीं किए गए, तो ट्रांसफार्मरों में खराबी आने से बिजली आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, एसडीओ राजेंद्र प्रसाद ने उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर ट्रांसफार्मरों के आसपास कूलर लगाने की मांग की थी। इसके बाद एक्सईएन ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश जारी किए। निर्देशों का पालन करते हुए, शुक्लागंज और गंगाघाट टाउन सब-स्टेशनों पर स्थापित 10 एमवीए और 5 एमवीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मरों के सामने बड़े जंबो कूलर लगाए गए हैं। इन कूलरों से लगातार ठंडी हवा ट्रांसफार्मरों तक पहुंचाई जा रही है, जिससे उनका तापमान नियंत्रित रखा जा सके।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में जिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को डीजल, पेट्रोल और सीएनजी गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी उन्नाव के माध्यम से सौंपते हुए बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बाद में, कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने "कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद", "राहुल गांधी जिंदाबाद" और "राजीव गांधी अमर रहे" जैसे नारे लगाए। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने आरोप लगाया कि "डबल इंजन की सरकार" जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई से आम जनता परेशान है, लेकिन सरकार लोगों की समस्याओं के प्रति उदासीन है। कुशवाहा ने बताया कि डीजल, पेट्रोल और सीएनजी गैस की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। परिवहन खर्च बढ़ने से खाद्य पदार्थों सहित रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे महंगाई और बढ़ रही है। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमत सिंह ने कहा कि सरकार जनहित के मुद्दों पर उपेक्षात्मक रवैया अपना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा नीतियों के कारण गरीब और अधिक गरीब होता जा रहा है, जबकि अमीरों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने जोर दिया कि बढ़ती महंगाई ने मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों की कमर तोड़ दी है। बैठक को संगठन उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश शुक्ला, जंग बहादुर सिंह, अनुराग सिंह समेत अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी जनता के हितों के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी और महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरने का काम जारी रखेगी। जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस प्रदर्शन में बोधराज सिंह, अशोक अवस्थी, आशुतोष शर्मा, कफनधारी, कन्हई कुरील, तन्मय श्रीवास्तव, बाबूराम निषाद, प्रदीप शर्मा और मणिकांत रावत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

डीएम घनश्याम मीना ने सर्राफा व्यापारियों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में डीएम घनश्याम मीना की अध्यक्षता में सर्राफा व्यापारियों और ज्वेलर्स के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई इस बैठक में पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह भी मौजूद रहे। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और बाजार में जारी उठापटक को देखते हुए व्यापारियों से जिम्मेदारी के साथ कारोबार करने की अपील की गई। जिलाधिकारी मीना ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा हालात में सभी को मानवता और जिम्मेदारी का परिचय देना होगा। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सर्राफा व्यापारियों से आवश्यकतानुसार ही खरीद-फरोख्त करने और जमाखोरी तथा कालाबाजारी से पूरी तरह बचने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रशासन सभी गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहा है। डीएम ने अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों में लगातार हो रहे बदलावों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा किए गए आह्वान का समर्थन करना सभी नागरिकों और व्यापारियों का दायित्व है। मीना ने सर्राफा एसोसिएशन और व्यापारियों से खरा सोना, फ्रेश गोल्ड और बुलियन की खरीद से बचने का आग्रह किया। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्राहकों को पुराने आभूषणों को रिसाइकिल कर उपयोग में लाने के लिए प्रेरित किया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि पुराने आभूषणों के बदले नए आभूषण खरीदने पर मेकिंग चार्ज में छूट देने पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने व्यापारियों से उपभोक्ताओं को जागरूक करने और अफवाहों से बचने तथा घबराहट में अनावश्यक खरीदारी न करने की अपील की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने सभी ज्वेलर्स को अपने प्रतिष्ठानों में विजिटिंग रजिस्टर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण के लिए पहुंचते हैं, इसलिए उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था होनी चाहिए। बैठक में राज्य कर विभाग के अधिकारियों के साथ जिले के कई प्रमुख ज्वेलर्स और सर्राफा व्यापारी उपस्थित रहे। व्यापारियों ने राष्ट्रहित में प्रशासन का सहयोग करने और प्रधानमंत्री के संदेश का समर्थन करने का आश्वासन दिया। बैठक में नीलम ज्वेलर्स, कमल ज्वेलर्स, मंगलम ज्वेलर्स और वसुंधरा ज्वेलर्स सहित अन्य प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

11 हजार वोल्ट लाइन में फॉल्ट से तीन घरों में लगी भीषण आग

उन्नाव के सदर तहसील क्षेत्र के बिछिया ब्लॉक अंतर्गत पड़री कला गांव के मजरे घना खेड़ा में बीती रात एक बड़ा हादसा हो गया। 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन गिरने से निकली चिंगारी के कारण एक ही परिवार के तीन घर जलकर राख हो गए। इस घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीण रातभर आग बुझाने में जुटे रहे। जानकारी के अनुसार, घना खेड़ा निवासी राजेश रावत, पप्पू और बब्लू के मकानों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की लाइन में अचानक फॉल्ट हो गया। देर रात लाइन से निकली चिंगारी सीधे घरों पर जा गिरी, जिससे देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में तीनों घर उसकी चपेट में आ गए। ग्रामीणों ने शोर मचाकर परिवार के लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने बाल्टी और पाइप के सहारे आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक घरों में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। पीड़ित परिवारों के अनुसार, आग में लगभग 30 कुंतल गेहूं, 10 कुंतल धान और 10 कुंतल सरसों जल गई। इसके अतिरिक्त, घरेलू सामान, कपड़े, बिस्तर और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी आग की भेंट चढ़ गए।

अधिवक्ताओं की हड़ताल से तहसील और न्यायिक कार्य रहे प्रभावित

उन्नाव के पुरवा तहसील में सोमवार को अधिवक्ताओं ने लखनऊ में चेंबर हटाए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने कार्य का बहिष्कार कर प्रशासन और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की, जिससे न्यायिक और प्रशासनिक कार्य प्रभावित हुए। अधिवक्ताओं ने तहसील मुख्यालय पर एकत्रित होकर "पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद" और "अधिवक्ताओं का उत्पीड़न बंद करो" जैसे नारे लगाए। उनका कहना था कि लखनऊ में वकीलों के चेंबर हटाने की कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे अधिवक्ता समाज की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने प्रशासन पर अधिवक्ताओं की समस्याओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। बार एसोसिएशन पुरवा के अध्यक्ष श्याम लाल सोनी ने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनके साथ इस प्रकार का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अधिवक्ताओं की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। अधिवक्ताओं के कार्य बहिष्कार के कारण तहसील, सिविल कोर्ट और रजिस्ट्रार कार्यालय में कामकाज ठप रहा। इससे दूर-दराज से आए फरियादियों और अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई मामलों की सुनवाई टल गई और रजिस्ट्री सहित अन्य प्रशासनिक कार्य बाधित रहे। प्रदर्शन के बाद अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) प्रमेश श्रीवास्तव को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में लखनऊ में अधिवक्ताओं के चेंबर हटाने की कार्रवाई पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। तहसील परिसर में दिनभर गहमागहमी का माहौल बना रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने अधिवक्ताओं को शांत कराने का प्रयास करते हुए उनकी मांगों को

शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। हालांकि, अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होगी, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

सड़कों पर नमाज को लेकर सीएम योगी का सख्त बयान

"प्यार से मानेंगे तो ठीक, नहीं तो दूसरा तरीका अपनाएंगे"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सड़कों पर नमाज की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने नियम-कानूनों का पालन जरूरी बताते हुए कहा कि नमाज घर या शिफ्ट में पढ़ी जा सकती है। साथ ही प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में सड़कों पर नमाज पढ़ने और प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उत्तर प्रदेश में अब सड़कों पर नमाज नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कें आवागमन के लिए होती हैं और किसी को भी सार्वजनिक मार्ग बाधित करने का अधिकार नहीं है।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, "प्यार से मानेंगे तो ठीक है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे।" उन्होंने कहा कि यदि नमाज पढ़ना आवश्यक है तो इसे शिफ्ट में या घरों में पढ़ा जा सकता है, लेकिन सार्वजनिक सड़कों और चौराहों को बाधित करने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून सभी नागरिकों के लिए समान है और सार्वजनिक स्थलों का दुरुपयोग स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करती है, लेकिन नियम-कानूनों का पालन भी उतना ही आवश्यक है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि "सिस्टम के साथ रहना है तो अनुशासन और कानून का पालन करना होगा। "उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने उनसे कहा कि नमाजियों की संख्या अधिक होती है, ऐसे में व्यवस्था कैसे होगी। इस पर मुख्यमंत्री ने जवाब दिया कि आवश्यकता पड़ने पर शिफ्ट में व्यवस्था की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि "बेवजह भीड़ नहीं बढ़नी चाहिए। यदि घर या निर्धारित स्थान पर जगह सीमित है, तो उसी हिसाब से लोगों की संख्या को व्यवस्थित करना चाहिए।"मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में प्रदेश की पूर्व कानून-व्यवस्था का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने उत्तर प्रदेश की सत्ता संभाली थी, उस समय प्रदेश में हर दूसरे दिन दंगे होते थे और कई जिलों में माफिया की समानांतर सत्ता चलती थी। उन्होंने कहा कि उस दौर में प्रशासनिक व्यवस्था अपराधियों और बाहुबलियों के प्रभाव में काम करती थी, लेकिन अब प्रदेश में ऐसी अराजकता को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी स्थिति में उत्तर प्रदेश को फिर से दंगों और कर्फ्यू की ओर नहीं जाने देगी। मुख्यमंत्री ने मीडिया की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि एक सनसनीखेज खबर कभी-कभी माहौल बिगाड़ सकती है। इसलिए मीडिया संस्थानों को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ रिपोर्टिंग करनी चाहिए। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। सड़कों पर नमाज और सार्वजनिक स्थलों के उपयोग को लेकर पहले भी कई बार बहस हो चुकी है। योगी आदित्यनाथ के ताजा बयान को प्रदेश सरकार के सख्त रुख के तौर पर देखा जा रहा है।

यूपी में भीषण गर्मी और लू का कहर, कई जिले अलर्ट पर

यूपी में गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। बुंदेलखंड समेत प्रदेश के कई जिले भीषण लू की चपेट में हैं। सोमवार को सभी जिलों में लोगों का तेज धूप की वजह से हाल बेहाल है। लू जैसी हवाएं चल रही हैं। सड़कों पर लोग छाते और गमछे से खुद को धूप से बचाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग (IMD) ने आज 33 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। IMD का कहना है कि लोग अलर्ट रहें। दोपहर के वक्त घर से बाहर न निकलें। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों का खास ख्याल रखें। अधिक से अधिक पानी पीएं और हल्के सूती कपड़े पहनें। सीएम योगी ने भी सभी जिलाधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग और राहत एजेंसियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही एंबुलेंस सेवाओं को सक्रिय रखने को कहा। सीएम ने अफसरों को फील्ड में उतरने और संवेदनशील जिलों पर विशेष निगरानी रखने, राहत-बचाव की तैयारियां समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सरकारी अस्पतालों में हीट स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए पुख्ता इंतजाम करने को कहा है। सार्वजनिक स्थानों पर पीने के पानी की व्यवस्था और बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बांदा देश में सबसे गर्म रहा। यहां पारा 46.4°C रिकॉर्ड किया गया। देश के 24 सबसे गर्म शहरों में यूपी के 4 जिले शामिल रहे। इसमें बांदा के अलावा झांसी (44.6°C), प्रयागराज (44.5°C) और हमीरपुर (44.2°C) शामिल हैं। कानपुर में सड़कों पर पानी का छिड़काव किया गया। प्रयागराज में अस्तबल में कूलर लगाए गए। गोरखपुर चिड़ियाघर में हाथी को बार-बार नहलाया गया।

पीएम मोदी की अपील के बाद जनप्रतिनिधियों ने बदला सफर का तरीका

भाजपा सांसद हेमा मालिनी सोमवार को मथुरा में बैठक के बाद एक ऑटो से घूमीं। ऑटो भाजपा विधायक पूरन प्रकाश लेकर आए थे। जिस पर भाजपा का झंडा, हूटर और मोदी-योगी की फोटो और विधायक के नाम की प्लेट लगी हुई थी। बुलंदशहर से भाजपा विधायक सीपी सिंह और देवेंद्र सिंह लोधी ने विधानसभा के बाहर ऑटो में सफर किया, लेकिन वीडियो उन्होंने समर्थकों से फॉर्च्यूनर से शूट करवाया। वहीं, देवरिया से भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने बिना हेलमेट बुलेट चलाई। इसके बाद उन्होंने पुलिस से खुद का चालान करने को कहा। रविवार देर रात पुलिस ने उनका 1 हजार रुपए का चालान काट दिया। इधर, आजमगढ़ डीएम सोमवार सुबह ई-रिक्शा से ऑफिस पहुंचे। गनर बंदूक लेकर आगे वाली सीट पर बैठा नजर आया। मेरठ में भाजपा नेता और जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी ने रविवार को ट्रैक्टरों का लंबा काफिला निकाला। इसका वीडियो सामने आया है। इसमें गौरव चौधरी ट्रैक्टर पर बैठे नजर आ रहे हैं। उनके पीछे करीब 10-12 ट्रैक्टरों का काफिला और लोगों की भीड़ दिख रही है। वीडियो वायरल होने के बाद उन्होंने सफाई दी। कहा कि गांव वाले ऐसा करेंगे, यह उन्हें पहले से मालूम नहीं था। गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने साइकिल चलाई। बुलंदशहर से भाजपा सांसद डॉ. भोला सिंह ने भी नई इलेक्ट्रिक कार खरीदी है। खुद चलाकर कार्यक्रमों में जा रहे हैं। इसके अलावा, मिर्जापुर से भाजपा विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र ने इलेक्ट्रिक कार और गोंडा के जिला आबकारी अधिकारी प्रगल्भ लवानिया ने 8 हजार रुपए में साइकिल खरीदी है। दरअसल, पीएम मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील की थी। इसके बाद योगी सरकार ने भी 4 दिन पहले प्रदेश में ऊर्जा बचाने के लिए 7 बड़े फैसले लिए। इनमें मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और अफसरों के काफिले में 50% की कटौती और हफ्ते में एक दिन इन्हें पब्लिक ट्रांसपोर्ट या बस-मेट्रो से चलना शामिल है।

निवेश में भारी मुनाफे का लालच देकर युवक से 15.69 लाख की ठगी

अयोध्या में एक युवक से निवेश योजना में मुनाफे का लालच देकर 15.69 लाख रुपये की ठगी की गई है। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नाका क्षेत्र के पटेल नगर निवासी कृष्ण कुमार सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 15 फरवरी को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का व्हाट्सएप संदेश मिला था। इस संदेश में आकर्षक निवेश योजनाओं के माध्यम से कम समय में अधिक मुनाफा कमाने का दावा किया गया था। बाद में आरोपी ने फोन पर उनसे संपर्क किया और विभिन्न निवेश स्कीमों की जानकारी देकर भारी रिटर्न का लालच दिया। ठगों की बातों में आकर कृष्ण कुमार सिंह ने अलग-अलग तारीखों पर पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी बैंक, केनरा बैंक और बैंक ऑफ इंडिया सहित अपने कई खातों से आरोपी द्वारा बताए गए विभिन्न बैंक खातों में कुल 15 लाख 69 हजार रुपये जमा कर दिए। कुछ समय बाद जब उन्हें निवेश पर कोई लाभ नहीं मिला और आरोपी टालमटोल करने लगा, तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने तत्काल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके उपरांत, साइबर क्राइम थाने में अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई। थाना प्रभारी मो. अरशद आलम ने बताया कि मामले की जांच जारी है। जिन बैंक खातों में रकम भेजी गई है, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है और उन्हें फ्रीज कराने की कार्रवाई भी की जा रही है।